

विकासात्मक मनोविज्ञान (Developmental Psychology) में मानव विकास एक जटिल प्रक्रिया है जो केवल एक कारक से नहीं, बल्कि तीन प्रमुख कारकों के अंतर्संबंध से प्रभावित होती है: **बायोजेनिक (Biogenic)**, **साइकोजेनिक (Psychogenic)**, और **सोशियोजेनिक (Sociogenic)**। इन्हें अक्सर 'Biopsychosocial Model' के रूप में भी जाना जाता है।

मानव विकास के **साइकोजेनिक कारक (Psychogenic Factors)** उन आंतरिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं और मानसिक अवस्थाओं को संदर्भित करते हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व, व्यवहार और सोचने के तरीके को आकार देते हैं।

जहाँ बायोजेनिक कारक हमें "शरीर" देते हैं, वहीं साइकोजेनिक कारक हमारे "**स्वभाव और चरित्र**" का निर्माण करते हैं।

1. आत्म-अवधारणा और आत्म-सम्मान (Self-Concept & Self-Esteem)

यह सबसे महत्वपूर्ण साइकोजेनिक कारक है। इसमें शामिल है कि व्यक्ति खुद को कैसे देखता है।

- आत्म-अवधारणा:** "मैं कौन हूँ?" (जैसे- मैं बुद्धिमान हूँ, मैं शर्मीला हूँ)।
- आत्म-सम्मान:** "मैं खुद को कितना मूल्यवान मानता हूँ?" उच्च आत्म-सम्मान वाला बच्चा चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से करता है, जबकि कम आत्म-सम्मान विकास में बाधा डाल सकता है।

2. संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ (Cognitive Processes)

व्यक्ति के सोचने, तर्क करने और जानकारी को संसाधित (Process) करने का तरीका उसके विकास को प्रभावित करता है।

- धारणा (Perception):** हम दुनिया को कैसे देखते हैं? दो व्यक्ति एक ही स्थिति को अलग-अलग तरह से देख सकते हैं, जो उनके विकास को अलग दिशा देता है।
- बुद्धि (Intelligence):** समस्याओं को हल करने और नई स्थितियों में ढलने की क्षमता।

3. संवेग और संवेगात्मक परिपक्वता (Emotions & Emotional Maturity)

भावनाएँ विकास का केंद्र होती हैं।

- संवेगात्मक नियंत्रण:** एक बच्चा अपनी भावनाओं (गुस्सा, डर, खुशी) को कैसे नियंत्रित करता है, यह उसके सामाजिक और मानसिक विकास को तय करता है।
- लगाव (Attachment):** बचपन में माता-पिता के साथ भावनात्मक जुड़ाव व्यक्ति के भविष्य के रिश्तों और सुरक्षा की भावना को निर्धारित करता है।

4. प्रेरणा और लक्ष्य (Motivation & Goals)

आंतरिक प्रेरणा विकास की गति तय करती है।

- उपलब्धि प्रेरणा (Achievement Motivation):** कुछ लोगों में आगे बढ़ने और सफलता पाने की तीव्र इच्छा होती है, जो उन्हें दूसरों की तुलना में अधिक विकसित और कुशल बनाती है।

5. स्वभाव या मिजाज (Temperament)

यह व्यक्ति की जन्मजात मनोवैज्ञानिक शैली है।

- कुछ बच्चे जन्म से ही **"आसान"** (Easy) होते हैं (जल्दी घुलना-मिलना), जबकि कुछ **"मुश्किल"** (Difficult) होते हैं (चिड़चिड़े या डरे हुए)। यह स्वभाव तय करता है कि वे अपने पर्यावरण और लोगों के साथ कैसे प्रतिक्रिया करेंगे।

6. रक्षा तंत्र (Defense Mechanisms)

तनाव और चिंता से निपटने के लिए व्यक्ति का मन कुछ अचेतन तरीकों का उपयोग करता है (जैसे- सच्चाई से भागना या गुस्से को किसी और पर निकालना)। ये तरीके व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साइकोजेनिक कारकों का महत्व

कारक	विकास पर प्रभाव
सोच (Thought)	समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करता है।
आत्म-विश्वास	जोखिम लेने और नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित करता है।
भावनाएं	मानसिक स्वास्थ्य और रिश्तों की मजबूती तय करती हैं।

बायोजेनिक और साइकोजेनिक का मेल

इसे एक उदाहरण से समझें: एक बच्चे को विरासत में तेज बुद्धि मिली (**बायोजेनिक**), लेकिन अगर उसमें सीखने की प्रेरणा की कमी है या वह खुद को कमजोर समझता है (**साइकोजेनिक**), तो उसकी बुद्धि का पूर्ण विकास नहीं हो पाएगा।